Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 13 June 2024

Dainik Jagran
Page 02, 04

अध्ययन के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे गोवि व कालिदास विवि

अध्ययन और अनुसंधान कार्यक्रम संचालित करने के लिए एक पारस्परिक सहमति पत्र (एमओयू) को दिखाती कुलपति प्रो. पूनम टंडन एवं कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय रामटेक के कुलपति प्रो. हरेराम त्रिपाठी • सौ. गोवि

गोरखपुरः दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय तथा कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, नागपुर के बीच बुधवार पारस्परिक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया। इसके तहत दोनों शिक्षण संस्थान भारतीय ज्ञान परंपरा, अनुशीलन एवं पारंपरिक प्रज्ञान के क्षेत्र में परस्पर अध्ययन और अनुसंधान कार्यक्रम संचालित करेंगे।

एमओयू पर गोवि की कुलपति प्रो. पूनम टंडन और नागपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. हरेराम त्रिपाठी ने हस्ताक्षर किए। प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि इससे दोनों विश्वविद्यालयों के शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। प्रो. हरेराम त्रिपाठी ने कहा कि दोनों विश्वविद्यालय अपने शिक्षण-अधिगम वातावरण और अनुसंधान को संवर्धित क्षेत्र और विषय के स्तर तक बढ़ाने के लिए एक-दूसरे का सहयोग और समर्थन करेंगे। यह दोनों संस्थानों के छात्रों को दोनों विश्वविद्यालयों द्वारा प्रस्तावित किसी भी कार्यक्रम में प्रवेश लेने की सुविधा का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर डीडीयू के कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी, एनईपी के समन्वयक प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा, प्रो. सुषमा पांडेय आदि मौजूद रहे। -विज्ञप्ति

पार्ट टाइम पीएचडी में बढ़ी रुचि, आए 557 आवेदन

- 29 विषयों में पार्ट टाइम पीएचडी की 86 सीटें
- नौकरी पेशा लोगों के लिए पहली बार की गई पहल

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में पार्ट टाइम पीएचडी में काफी लोग रुचि दिखा रहे हैं। इसका प्रमाण अब तक हुए आवेदन हैं। कहने के लिए विवि में 29 विषयों में 86 सीटें हैं और अब तक इसके लिए 557 आवेदन आ चुके हैं। अब परीक्षा के जरिये इन्हीं में से अर्ह अभ्यर्थियों को निर्धारित सीटों पर पार्ट टाइम पीएचडी के लिए चयनित किया जाएगा।

विवि प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष सिन्हा ने बताया कि यूजीसी की गाइडलाइंस और एनईपी के प्रावधानों के अनुसार शोध पात्रता परीक्षा-2023 (रेट) का आयोजन तथा पार्ट टाइम पीएचडी कोर्स शुरू किया गया है। पार्ट टाइम पीएचडी खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो नौकरीपेशा हैं। इसके लिए वही आवेदन कर सकते हैं जिनकी सेवा सरकारी या निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी में पांच वर्ष पूरी हो गई है। उन्होंने बताया कि पार्ट टाइम पीएचडी के अभ्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा नहीं होगी। प्रवेश की तिथि समाप्त होने के बाद अभ्यर्थियों को प्रस्तुतीकरण देना होगा। अभ्यर्थियों के प्रवेश पर अंतिम निर्णय कुलपति द्वारा लिया जाएगा।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन के अनुसार ऐसे अभ्यर्थी जो पांच वर्ष या अधिक समय से किसी भी कंपनी में नौकरी है। पार्ट टाइम पीएचडी सिर्फ उन्हीं के लिए है। आवेदन की प्रक्रिया खत्म होने के बाद वे संबंधित विभाग से संपर्क करें। ऐसे अभ्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा नहीं देनी है।

यह और अन्य खबरें देखें- https://www.jagran.com/local/uttar-pradesh_gorakhpur-city-news-hindi.html

प्रो. विजय शंकर वर्मा ने संभाला निदेशक का कार्यभार

गोरखपुरः गोरखपुर विश्वविद्यालय के गणित विभाग के वरिष्ठ आचार्य विजय शंकर वर्मा ने गुरुवार को स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया। कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी के समक्ष उन्होंने प्रो.आरपी सिंह से कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि वे स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों को ऊंचाई पर ले जाने और छात्रहित में बेहतर कार्य करने का प्रयास करेंगे। प्रो.वर्मा पूर्व में गोवि डेलीगेसी के उपाध्यक्ष भी रहे हैं। -विज्ञप्ति

गोवि में स्नातक व परास्नातक प्रवेश परीक्षा की तैयारी तेज

प्रवेश के लिए 15 जून निर्धारित है आवेदन की अंतिम तिथि

जागरण संवाददाता, गोरखपुरः दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्नातक, परास्नातक में प्रवेश और शोध पत्रता परीक्षा-2023 के लिए विवि प्रशासन ने पूरा स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। इसकी संबंध आनलाइन आवेदन की अंतिम तारीख 15 जून निर्धारित है। आवेदन के लिए दो चार दिनों बढ़ाई जा सकती है। ऐसे में परीक्षा 27 जून से 10 जुलाई के बीच प्रवेश परीक्षा संचालन कराने की तैयारी है। इसके संचालन दायित्व का ऑनलाइन शुरू कर दी जाएगी।

-प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, गोवि

प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। 15 जून अंतिम तिथि निर्धारित है। इसके बाद आवेदन की तिथि नहीं बढ़ाई जाएगी। 27 जून से 10 जुलाई के बीच प्रवेश परीक्षा संचालन कराने की तैयारी है। इसके संचालन दायित्व का ऑनलाइन शुरू कर दी जाएगी।

-प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, गोवि

तैयारी पूरी, बीएड व बीपीएड की परीक्षाएं आज से

गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय की संबंध तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बीएड व बीपीएड की परीक्षाएं 13 जून से शुरू हो रही हैं। परीक्षा के लिए गोरखपुर में छह, देवरिया में चार और कुशीनगर में दो केंद्र बनाए गए हैं। विज्ञप्ति

संबंध प्रवेश परीक्षा 10 जुलाई तक संपन्न कराने की योजना है। प्रवेश परीक्षा के बाद काउंसलिंग शुरू हो जाएगी। प्रवेश परीक्षा कराने संबंध में होगी। ऐसे में इसकी बजाय से इसकी कक्षाएं प्रभावित न हों, इसे अंतिम तिथि में तीन दिन शेष, आए 60 हजार से अधिक आवेदन

विश्वविद्यालय में स्नातक, परास्नातक व शोध पत्रता परीक्षा के लिए अब तक 60 हजार से अधिक आवेदन आ चुके हैं। इसमें स्नातक में 2 हजार, परास्नातक में 17 हजार व पीएचडी (शोध पत्रता परीक्षा) के लिए लगभग 2 हजार आवेदन हो चुके हैं। इसमें आवेदन की अंतिम तिथि में तीन दिन शेष है। ऐसे में आवेदन की लगातार बढ़ने की संभावना है।

गोवि विद्या परिषद की बैठक आज नए पाठ्यक्रमों को मिलेगी हरी झंडी

जागरण संवाददाता, गोरखपुरः गोरखपुर विश्वविद्यालय में गुरुवार को विद्या परिषद की बैठक को लेकर बुधवार के तैयारी पूरी कर ली गई। बैठक में फार्मेसी, प्री-पीएचडी कोर्स वर्क, चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम समेत कई प्रस्तावों को हरी झंडी मिलने की संभावना है। इसको लेकर काफी पहले इस पर विचार चल रहा है।

विश्वविद्यालय में इस सत्र से तीन प्लस एक स्नातक पाठ्यक्रम के अनुसार पढ़ाई होगी। इसको सभी संकायों ने पास कर दिया है। आगामी विद्या परिषद की बैठक में इसे अनुमोदन के लिए रखा जाएगा। इंस्टीट्यूट आफ फार्मेसी का संचालन पूर्वांचल विकास बोर्ड वाले भवन में होगा। बैचलर इन फार्मेसी और डिप्लोमा इन फार्मेसी के पाठ्यक्रम चलाए जाएंगे। इसके साथ ही इंजीनियरिंग विभाग में शुरू होने वाले तीन कोर्स और छह महाविद्यालयों में शुरू होने वाले पाठ्यक्रमों पर मुहर लग सकती है। कुलपति प्रो. पूनम टंडन के अनुसार विद्या परिषद में नए पाठ्यक्रमों के साथ ही संकायों की हुई बैठक की संस्तुतियों पर भी विचार किया जाएगा।

फार्मेसी व प्री-पीएचडी कोर्स वर्क को मिलेगी स्वीकृति, बैचलर इन फार्मेसी व डिप्लोमा इन फार्मेसी के चलाए जाएंगे पाठ्यक्रम

इसी सत्र से होगा। साथ ही बैचलर इन फार्मेसी और डिप्लोमा इन फार्मेसी के पाठ्यक्रम चलाए जाएंगे। इसके साथ ही इंजीनियरिंग विभाग में शुरू होने वाले तीन कोर्स और छह महाविद्यालयों में शुरू होने वाले पाठ्यक्रमों पर मुहर लग सकती है। कुलपति प्रो. पूनम टंडन के अनुसार विद्या परिषद में नए पाठ्यक्रमों के साथ ही संकायों की हुई बैठक की संस्तुतियों पर भी विचार किया जाएगा।

Amar Ujala
Page - 03, 07

बीएड और बीपीएड की परीक्षाएं आज से

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों में बीएड और बीपीएड की परीक्षाएं 13 जून से शुरू हो रही हैं। बी ए ड के द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर के साथ ही बीपीएड द्वितीय और तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाओं को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। ये परीक्षाएं 13, 15, 19 और 20 जून को संपन्न होंगी। परीक्षा के लिए गोरखपुर में छह, देवरिया में चार और कुशीनगर में दो केंद्र बनाए गए हैं। संवाद

डीडीयू : 27 जून से प्रवेश परीक्षा कराने की तैयारी

15 जून है प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि, 10 जुलाई से पहले संपन्न हो जाएगी प्रवेश परीक्षा

एक जुलाई से नए विद्यार्थियों की कक्षाएं

14 जुलाई तक प्रवेश शोध कार्य के बाद कार्यालिक की प्रक्रिया के साथ शुरू हो जाएगी। 15 जून को आवेदन की अंतिम तिथि है। इसके बाद 10 जुलाई तक प्रवेश परीक्षा संचालन कराने की तैयारी है। इसके बाद 1 जुलाई से नए विद्यार्थियों की कक्षाएं शुरू कर दी जाएंगी।

- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

गोरखपुर विश्वविद्यालय : विद्या परिषद की बैठक आज, नए पाठ्यक्रमों पर लगेगी मुहर

गोरखपुर: दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में कुलपतिजी की विद्या परिषद की बैठक होगी। इसमें फार्मेसी, प्री-पीएचडी कोर्स वर्क, चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम समेत कई प्रस्तावों पर चर्चा होगी। विश्वविद्यालय में इस सत्र से 3 प्लस 1 स्नातक पाठ्यक्रम के अनुसार पढ़ाई होगी। इसे सभी संकायों ने पास कर दिया है। आगामी विद्या परिषद की बैठक में इसे अनुमोदन के लिए रखा जाएगा। इसी सत्र से इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी का संचालन पूर्वांचल विकास बोर्ड वाले भवन में होगा। बैचलर इन फार्मेसी और डिप्लोमा इन फार्मेसी के पाठ्यक्रम चलाए जाएंगे। इसके साथ ही इंजीनियरिंग विभाग में शुरू होने वाले तीन कोर्स और छह महाविद्यालयों में शुरू होने वाले पाठ्यक्रमों पर मुहर लग सकती है। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विद्या परिषद में नए पाठ्यक्रमों के साथ ही संकायों की हुई बैठक की संस्तुतियों पर विचार किया जाएगा।

बीएड और बीपीएड की परीक्षाएं आज से

विश्वविद्यालय में बीएड और बीपीएड की परीक्षाएं 13 जून से शुरू हो रही हैं। बीएड के द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर के साथ ही बीपीएड द्वितीय और तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाओं को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। ये परीक्षाएं 13, 15, 19 और 20 जून को संपन्न होंगी। परीक्षा के लिए गोरखपुर में छह, देवरिया में चार और कुशीनगर में दो केंद्र बनाए गए हैं। संवाद

संस्कृत विश्वविद्यालय और डीडीयू के बीच एमओयू

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, नागपुर के बीच बुधवार को एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन और नागपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. हरेराम त्रिपाठी ने हस्ताक्षर किए। संवाद

Hindustan
Page - 07

डीडीयू व कालिदास संस्कृत विवि में करार

बुधवार को हुए एमओयू के दौरान डीडीयू की कुलपति प्रो. पूनम टंडन और कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय नागपुर के कुलपति प्रो. हरेराम।

गोरखपुर, निज संवाददाता। डीडीयू तथा कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, नागपुर के मध्य बुधवार को एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। इसके तहत दोनों शिक्षण संस्थान भारतीय ज्ञान परंपरा, अनुशीलन एवं पारंपरिक प्रज्ञान के क्षेत्र में परस्पर अध्ययन और अनुसंधान कार्यक्रम संचालित करेंगे।

एमओयू पर डीडीयू की कुलपति प्रो. पूनम टंडन और नागपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. हरेराम त्रिपाठी ने हस्ताक्षर किए। प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि इससे दोनों विश्वविद्यालयों के शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को बेहतर लाभ मिलेगा। प्रो. हरेराम त्रिपाठी ने कहा कि दोनों विश्वविद्यालय अपने शिक्षण-अधिगम वातावरण और अनुसंधान को संवर्धित क्षेत्र और विषय के स्तर तक बढ़ाने के लिए एक-दूसरे का सहयोग और समर्थन करेंगे।

यह दोनों संस्थानों के छात्रों को दोनों विश्वविद्यालयों द्वारा प्रस्तावित किसी भी कार्यक्रम में प्रवेश लेने की सुविधा का लाभ उठाने का मौका देगा। इस अवसर पर डीडीयू के कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी, एनईपी के समन्वयक प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा, प्रो. सुषमा पांडेय, डॉ अनिल कुमार दूबे आदि मौजूद रहे।

डीडीयू में विद्या परिषद की बैठक आज

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में विद्या परिषद की बैठक 13 जून को पूर्वाह्न 11 बजे से संवाद भवन में होगी। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि एजेंडा तैयार कर लिया गया है। इसमें चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के अलावा पीजी और प्री पीएचडी कोर्स पर चर्चा की जाएगी। विभिन्न संकायों की बैठक की संस्तुतियों पर भी विचार किया जाएगा। सत्र 2024-25 से फार्मेसी और अन्य नए कोर्स भी शुरू होने हैं। विद्या परिषद की बैठक 24 मई को ही होनी थी लेकिन लोकसभा चुनाव के कारण संवाद भवन खाली नहीं होने से स्थगित कर दी गई थी।

प्रो. विजय शंकर वर्मा ने निदेशक का कार्यभार संभाला

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के गणित विभाग के वरिष्ठ आचार्य विजय शंकर वर्मा ने गुरुवार को स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया। कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी के समक्ष उन्होंने प्रो. आरपी सिंह से कार्यभार ग्रहण किया।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि वे स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों को ऊंचाई पर ले जाने और छात्र हित में बेहतर करने का प्रयास करेंगे। प्रो. विजय शंकर वर्मा ने कहा कि संबंधित कर्मचारियों एवं छात्रों के लिए वह हमेशा उपलब्ध रहेंगे।

Swatantra Bharat

पहली बार शुरू हो रही पार्ट टाइम पीएचडी हुई हिट

डीडीयू: पार्ट टाइम पीएचडी के लिए आए हैं कुल 557 आवेदन, 29 विषयों में पार्ट टाइम पीएचडी की 86 सीटें

स्वतंत्र भारत संवाददाता

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में पार्ट टाइम पीएचडी शुरू करने की योजना हिट साबित हो रही है। अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि इसमें कुल 29 विषयों में 86 सीटें है। सीटों के सापेक्ष अब तक कुल 557 आवेदन आ चुके हैं यानी हर सीट के लिए करीब सात आवेदन।

प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष सिन्हा के मुताबिक यूजीसी की गाइडलाइंस और एनईपी के प्रावधानों के मुताबिक कई बदलावों के साथ शोध पात्रता परीक्षा-2023 (रेट) का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में पार्ट टाइम पीएचडी कोर्स शुरू किया गया है। ये उन लोगों के लिए है जो नौकरीपेशा हैं। नौकरी के साथ पीएचडी की इच्छा रखने वाले लोगों को ही यह विकल्प दिया जाएगा। जिनकी सर्विस सरकारी या जो लोग पांच साल या अधिक समय से सर्विस कर रहे हैं, पार्ट टाइम पीएचडी उनके लिए है। प्रवेश के लिए आवेदन की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद वे सम्बंधित विभाग से संपर्क करें। ऐसे अभ्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा नहीं देनी है।

-प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी में पांच वर्ष पूरी हो गई होगी, वे ही इसमें आवेदन के लिए अर्ह हैं। पार्ट टाइम पीएचडी के अभ्यर्थियों की प्रवेश परीक्षा नहीं होगी। प्रवेश की तिथि समाप्त होने के बाद अभ्यर्थियों को प्रजेंटेशन देना होगा। इसके साथ ही आरडीसी के निर्देशन में एक हजार शब्दों की सिनॉप्सिस भी सबमिट करनी होगी। अभ्यर्थियों के प्रवेश पर गुण-दोष के आधार पर कुलपति अंतिम निर्णय लेंगी। डीडीयू में बिना नेट क्वालीफाई किए पीएचडी में प्रवेश का यह अंतिम मौका है। इसे देखते हुए पीएचडी की 874 सीटों के लिए कुल 6516 आवेदन आए हैं। इनमें पिछले वर्ष निरस्त हुई परीक्षा के 1479 अभ्यर्थी भी शामिल हैं। सत्र 2024 से यूजीसी की नई गाइडलाइंस के अनुसार पीएचडी में प्रवेश लिया जाएगा। डीडीयू में 15 जून प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि है। प्रवेश परीक्षा 27 जून से 10 जुलाई तक होगी। इस बार प्रवेश ऑनलाइन लिया जाएगा। एक अगस्त से नव प्रवेशित विद्यार्थियों की कक्षाएं संचालित किए जाने की योजना है।

प्रो. विजय शंकर वर्मा ने कार्यभार संभाला

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के गणित विभाग के वरिष्ठ आचार्य विजय शंकर वर्मा ने गुरुवार को स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया। कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी के समक्ष उन्होंने प्रो. आरपी सिंह से कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि वे स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों को ऊंचाई पर ले जाने और छात्र हित में बेहतर करने का प्रयास करेंगे।

Amar Ujala Select
Page - 07

डीडीयू : नए पाठ्यक्रमों पर लगेगी मुहर

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम और प्री-पीएचडी कोर्स वर्क का रखा जाएगा प्रस्ताव

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में कुलपतिजी की विद्या परिषद की बैठक होगी। इसमें फार्मेसी, प्री-पीएचडी कोर्स वर्क, चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम समेत कई प्रस्तावों पर चर्चा होगी।

विश्वविद्यालय में इस सत्र से 3 प्लस 1 स्नातक पाठ्यक्रम के अनुसार पढ़ाई होगी। इसे सभी संकायों ने पास कर दिया है। आगामी विद्या परिषद की बैठक में इसे अनुमोदन के लिए रखा जाएगा।

इसी सत्र से इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी का संचालन पूर्वांचल विकास बोर्ड वाले भवन में होगा। बैचलर इन फार्मेसी और डिप्लोमा इन फार्मेसी के पाठ्यक्रम चलाए जाएंगे। इसके साथ ही इंजीनियरिंग विभाग में शुरू होने वाले तीन कोर्स और छह कॉलेजों में शुरू होने वाले पाठ्यक्रमों पर मुहर लग सकती है।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विद्या परिषद में नए पाठ्यक्रमों के साथ ही संकायों की हुई बैठक की संस्तुतियों पर विचार किया जाएगा।

बीएड और बीपीएड की परीक्षाएं आज से : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों में बीएड और बीपीएड की परीक्षाएं 13 जून से शुरू हो रही हैं।

बीएड के द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर के साथ ही बीपीएड द्वितीय और तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाओं को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। ये परीक्षाएं 13, 15, 19 और 20 जून को संपन्न होंगी। इन परीक्षाओं के लिए गोरखपुर में छह केंद्र बनाए गए हैं जबकि देवरिया में चार और कुशीनगर में दो केंद्र स्थापित किए गए हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा के लिए कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय से हुआ एमओयू

डीडीयू और कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक नागपुर ने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, नागपुर के बीच बुधवार को एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया।

इसके तहत दोनों शिक्षण संस्थान भारतीय ज्ञान परंपरा, अनुशीलन एवं पारंपरिक प्रज्ञान के क्षेत्र में परस्पर अध्ययन और अनुसंधान कार्यक्रम संचालित करेंगे।

एमओयू पर गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन और नागपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. हरेराम त्रिपाठी ने हस्ताक्षर किए। प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि इससे दोनों विश्वविद्यालयों के शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को बेहतर लाभ मिलेगा।

प्रो. हरेराम त्रिपाठी ने कहा कि दोनों विश्वविद्यालय अपने शिक्षण-अधिगम वातावरण और अनुसंधान को संवर्धित क्षेत्र और विषय के स्तर तक बढ़ाने के लिए एक-दूसरे का सहयोग और समर्थन करेंगे। यह दोनों संस्थानों के छात्रों को दोनों विश्वविद्यालयों द्वारा प्रस्तावित किसी भी कार्यक्रम में प्रवेश लेने की सुविधा का लाभ उठाने का मौका देगा।

इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी, एनईपी के समन्वयक प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा, प्रो. सुषमा पांडेय व कलिदास संस्कृत विश्वविद्यालय के डॉ. अनिल कुमार दूबे आदि उपस्थित रहे।

डीडीयू : 27 जून से प्रवेश परीक्षा कराने की तैयारी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्नातक, परास्नातक और शोध पात्रता परीक्षा-2023 के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया जारी है। प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून है। विश्वविद्यालय की तैयारी है कि 27 जून से प्रवेश परीक्षा शुरू हो जाए ताकि नए सत्र में देरी न हो।

प्रवेश परीक्षा 27 जून से शुरू होकर 10 जुलाई तक चलेगी। इसे लेकर समय सारिणी लगभग तैयार है। आवेदन की अंतिम तिथि बीतने के एक से दो दिन बाद इसे जारी कर दिया जाएगा। आवेदन के लिए विश्वविद्यालय दो बार तिथि विस्तारित कर चुका है। 15 जून के बाद आवेदन के लिए मौका नहीं दिया जाएगा।

11 से शुरू होंगी कक्षाएं : विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 की शुरुआत 11 जुलाई से होगी। पुराने विद्यार्थियों की कक्षाएं इस दिन से शुरू हो जाएंगी। प्रवेश परीक्षा कला संकाय में होगी।

Rashtriya Sahara
Page - 05

557 लोगों ने आवेदन किया है पार्ट टाइम पीएचडी के लिए

पहली बार शुरू हो रही पार्ट टाइम पीएचडी हुई हिट

- डीडीयू में 29 विषयों में पार्ट टाइम पीएचडी की 86 सीटें हैं निर्धारित
- नौकरी पेशा लोगों के लिए शुरू किया जा रहा है यह कोर्स

डीडीयू

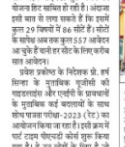

66 जो लोग पांच साल या अधिक समय से सर्विस कर रहे हैं, पार्ट टाइम पीएचडी उनके लिए है। प्रवेश के लिए आवेदन की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद संबंधित विभाग से संपर्क करें। ऐसे छात्रों को प्रवेश परीक्षा नहीं देनी है।

- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

27 जून से होगी प्रवेश परीक्षा

डीडीयू में 15 जून प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि है। प्रवेश परीक्षा 27 जून से 10 जुलाई तक होगी। डीडीयू और सम्बद्ध कॉलेजों में नए सत्र में कक्षाएं तो चढ़ाई हो, इसके लिए अब प्रवेश के लिए अब तिथि विस्तारित नहीं करने का निर्णय लिया गया है। इस बार प्रवेश ऑनलाइन लिया जाएगा। एक अगस्त से नव प्रवेशित विद्यार्थियों की कक्षाएं संचालित किए जाने की योजना है। इस बार प्रवेश के लिए करीब 6। हजार से अधिक आवेदन आए हैं।

- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में पार्ट टाइम पीएचडी शुरू करने की योजना हिट साबित हो रही है। अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि इसमें कुल 29 विषयों में 86 सीटें हैं। सीटों के सापेक्ष अब तक कुल 557 आवेदन आ चुके हैं यानी हर सीट के लिए करीब सात आवेदन।

प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष सिन्हा के मुताबिक यूजीसी की गाइडलाइंस और एनईपी के प्रावधानों के मुताबिक कई बदलावों के साथ शोध पात्रता परीक्षा-2023 (रेट) का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में पार्ट टाइम पीएचडी कोर्स शुरू किया गया है। ये उन लोगों के लिए है जो नौकरीपेशा हैं। नौकरी के साथ पीएचडी की इच्छा रखने वाले लोगों को ही यह विकल्प दिया जाएगा। जिनकी सर्विस सरकारी या किसी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी में पांच वर्ष पूरी हो गई होगी, वे ही इसमें आवेदन के लिए अर्ह हैं।

प्रजेंटेशन और सिनॉप्सिस जमा : पार्ट टाइम पीएचडी के अभ्यर्थियों की प्रवेश परीक्षा नहीं होगी। प्रवेश की तिथि समाप्त होने के बाद अभ्यर्थियों को प्रजेंटेशन देना होगा। इसके साथ ही आरडीसी के निर्देशन में एक हजार शब्दों की सिनॉप्सिस भी सबमिट करनी होगी। अभ्यर्थियों के प्रवेश पर गुण-दोष के आधार पर कुलपति अंतिम निर्णय लेंगी।

बिना 'नेट' प्रवेश का अंतिम मौका: डीडीयू में बिना नेट क्वालीफाई किए पीएचडी में प्रवेश का यह अंतिम मौका है। इसे देखते हुए पीएचडी की 874 सीटों के लिए कुल 6516 आवेदन आए हैं। इनमें पिछले वर्ष निरस्त हुई परीक्षा के 1479 अभ्यर्थी भी शामिल हैं। सत्र 2024 से यूजीसी की नई गाइडलाइंस के अनुसार पीएचडी में प्रवेश लिया जाएगा।

बीएड और बीपीएड की परीक्षाएं आज से

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और सम्बद्ध कॉलेजों में बीएड और बीपीएड की परीक्षाएं 13 जून से शुरू हो रही हैं। बीएड के द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर के साथ ही बीपीएड द्वितीय और तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाओं को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। ये परीक्षाएं 13, 15, 19 और 20 जून को संपन्न होंगी। परीक्षा के लिए गोरखपुर में 6, देवरिया में 4 और कुशीनगर में 2 केंद्र बनाए गए हैं।

पारस्परिक सहमति पत्र पर किए हस्ताक्षर

गोरखपुर(एसएनबी)। दीदउ गोविवि तथा महाराष्ट्र के कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विवि, रामटेक, नागपुर ने बुधवार को भारतीय ज्ञान परंपरा, अनुशीलन एवं पारंपरिक प्रज्ञान के क्षेत्र में संयुक्त स्तर पर अध्ययन और अनुसंधान कार्यक्रम संचालित करने के लिए एक पारस्परिक सहमति पत्र एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

एमओयू पर हस्ताक्षर करते हुए दीदउ गोविवि की कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने आशा व्यक्त किया, कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुरूप परिकल्पित इस सहमति पत्र के बाद दोनों विश्वविद्यालयों के शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को इसका बेहतर मिलेगा। इस दौरान कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विवि के कुलपति प्रो.हरेराम त्रिपाठी ने कहा कि दोनों विवि अपने शिक्षण अधिगम वातावरण और अनुसंधान को संवंधित क्षेत्र और विषय के स्तर तक बढ़ाने के लिए एक-दूसरे का सहयोग और समर्थन करेंगे। यह समझौता ज्ञापन दोनों संस्थानों के छात्रों को दोनों विश्वविद्यालयों द्वारा प्रस्तावित किसी भी कार्यक्रम में प्रवेश लेने की सुविधा का लाभ उठाने का मौका देगा। इस अवसर पर दीदउ गोविवि के कुलसचिव प्रो.शांतनु रस्तोगी, शिक्षा संकाय की प्रो.सुषमा पांडे,एनईपी के विवि समंवयक प्रो.हर्ष कुमार सिन्हा एवं कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विवि के डॉ.अनिल कुमार दुबे उपस्थित रहे।

> ■ समझौता ज्ञापन दोनों संस्थानों के छात्रों को दोनों विश्वविद्यालयों द्वारा प्रस्तावित किसी भी कार्यक्रम में प्रवेश लेने की सुविधा का लाभ उठाने का देगा मौका